VOICE OF LUCKNOW PAGE 5

हैप्पी थिंकिंग लैब बढ़ायेगी छात्रों में सकारात्मक ऊर्जा

प्रयोगशाला व मोटीवेशनल स्पीच के जरिये 2500 छात्रों की ऑनलाइन हुई काउंसिलिंग

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। छात्रों में पढ़ाई का तनाव कम करने, उनकी सकारात्मक उर्जा बढ़ाने के लिए स्थापित की गई हैप्पी थिंकिंग लैब छात्रों को काफी रास आ रही है। अब तक हैप्पीनेस हासिल करने की चाहत में 2500 से अधिक छात्र ऑनलाइन माध्यम से जुड़े चुके हैं। जिनको मोटीवेशनल स्पीच व अन्य माध्यमों से काउंसिलिंग की जा रही है।

- लविवि के मनोविज्ञान विभाग में बनी पहली हैप्पी थिंकिंग लैब

लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रों में नकारात्मक विचारों को खत्म कर उनमें सकारात्मक उर्जा बढ़ाने के लिए मनोविज्ञान विभाग में हैप्पी थिंकिंग लैब स्थापित की है।

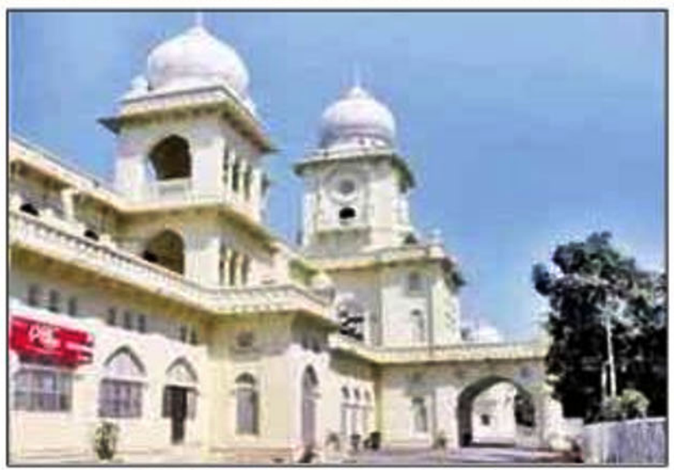

इसमें छात्रों को मोटीवेशनल स्पीच के साथ बायोवल मशीन से उनके शरीर में उर्जा की जांच की जा रही है। मनोविज्ञान विभाग में हैप्पी थिंकिंग लैब में बायोवेल, बायोफीडबैक और कराडा स्कैन जैसे आधुनिक यंत्र लगाये गये हैं। लविवि की काउंसलिंग एंड गाइडेंस की निदेशक व मनोविज्ञान विभाग की प्रो मधुरिमा प्रधान ने बताया कि पिछले चार महीनों में ऑनलाइन प्लेटफार्म माध्यम से 2500 थिंकिंग लैब से जुड़ चुके हैं।

प्रो. मधुरिमा प्रधान ने हैप्पी थिंकिंग लैब के बारे में बताया कि उन्होंने कहा कि इस प्रयोगशाला में छात्र अपने मस्तिष्क में उठने वाले प्रत्येक विचार की शक्ति की पहचान कर सकेंगे। साथ ही नकारात्मक विचारों को सकारात्मक बनाने, अवांछनीय आदतों और व्यवहार पर काबू पाने का कौशल भी इस प्रयोगशाला में छात्रों को सिखाया जायेगा।

शुरू किया जायेगा नया कोर्स : छात्रों को तनाव से दूर रखने और उन्हें वास्तविक आनंद का भाव देने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय 'एजुकेशन फॉर हैप्पीनेस' नामक एक नया कोर्स भी शुरू करने की तैयारी में है। इस कोर्स का मकसद वर्चुअल माध्यम से खुशी ढूंढ रहे बच्चों को समाज और परिवार के साथ मिलने वाली वास्तविक खुशी के बारे में बताना है। इसके अवाला पाठ्यक्रम में दर्शन, गीता से जुड़ी चीजे भी शामिल की जाने की तैयारी है।

VISHWAVARTA PAGE 3

डी .लिट . ऑर्डिनेंस पर कुलाधिपति की मुहर लगते ही दाखिले होंगे शुरू

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को बताया कि डी.लिट. का नया ऑर्डिनेंस बनाकर कुलाधिपति के पास भेज दिया है गया। ऑर्डिनेंस पर कुलाधिपति की मुहर लगते ही जनवरी के अंतिम सप्ताह में डी.लिट. में दाखिले की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। डी. लिट. में विभागीय स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय में करीब 10 से 12 साल बाद डी.लिट. प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।

लंबे समय से डी.लिट. कोर्स शुरू करने की विद्यार्थियों की मांग विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द पूरा करने जा रहा है। विवि प्रशासन के अनुसार 1986 के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने डी.लिट. कोर्स शुरू करने के लिए नया ऑर्डिनेंस तैयार किया है। वहीं लगभग एक दशक के बाद विश्वविद्यालय में डी.लिट. प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। अब तक लखनऊ विश्वविद्यालय में डी. लिट. प्रवेश प्रक्रिया बंद थी, लेकिन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसे प्राथमिकता से लेते हुए दोबारा डी.लिट. कोर्स शुरू करने की कवायद की है।

दाखिले के लिए 10 साल का अनुभव जरूरी

डी.लिट. कोर्स के लिए जो ऑर्डिनेंस तैयार किया जा रहा है, उसके अनुसार इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कम से कम 10 साल का अनुभव होना जरूरी है। इसके साथ ही अभ्यर्थी के कम से कम 15 जनरल प्रकाशित होने चाहिए।

नए सत्र में सबसे पहले होंगे डी . लिट . के प्रवेश

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2021-22 में सबसे पहले डी.लिट. के दाखिले से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि नए सत्र में सबसे पहले डी.लिट. का दाखिला कराना हमारी प्राथमिकता है।